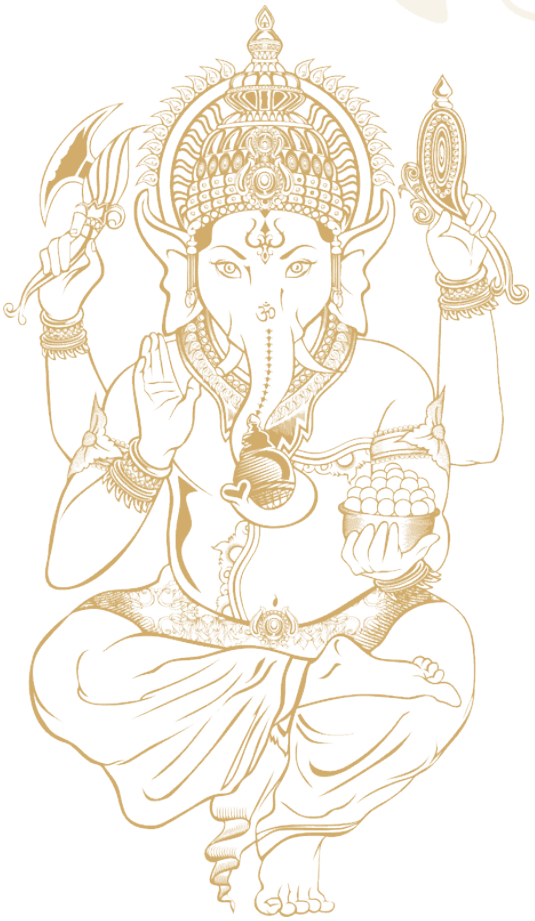

Rajat Chanchal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119885202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/05/1994	जन्म तिथि	04/06/1994
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:30:00	जन्म समय	22:21:00 घंटे
घटी 05:00:07	जन्म समय(घटी)	42:26:27 घटी
India	देश	India
Durg	स्थान	Raipur
21:12:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
81:20:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:40	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:57	सूर्योदय	05:20:49
18:32:38	सूर्यास्त	18:42:14
23:46:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:58

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 3वर्ष 5मा 6दि		24:40:06	वृष	लग्न	मक	13:43:24	बुध 1वर्ष 0मा 28दि	
चन्द्र		24:26:57	मेष	सूर्य	वृष	20:03:03	सूर्य	
15/10/2023		06:47:24	मेष	चंद्र	मीन	29:09:14	03/07/2022	
15/10/2033		24:58:06	मीन	मंगल	मेष	14:59:25	03/07/2028	
चन्द्र	14/08/2024	04:34:28	वृष	बुध	मिथु	12:11:05	सूर्य	21/10/2022
मंगल	15/03/2025	14:54:07	तुला व	गुरु व	तुला	12:05:34	चन्द्र	21/04/2023
राहु	14/09/2026	21:46:56	वृष	शुक्र	मिथु	23:41:34	मंगल	27/08/2023
गुरु	14/01/2028	16:59:51	कुंभ	शनि	कुंभ	18:20:24	राहु	21/07/2024
शनि	15/08/2029	00:00:28	वृश्चि व	राहु	तुला	29:58:25	गुरु	09/05/2025
बुध	14/01/2031	00:00:28	वृष व	केतु	मेष	29:58:25	शनि	21/04/2026
केतु	15/08/2031	02:32:03	मक व	हर्ष व	मक	02:04:58	बुध	26/02/2027
शुक्र	15/04/2033	29:31:06	धनु व	नेप व	धनु	29:09:19	केतु	04/07/2027
सूर्य	15/10/2033	03:09:14	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	02:25:30	शुक्र	03/07/2028

लग्न-चलित

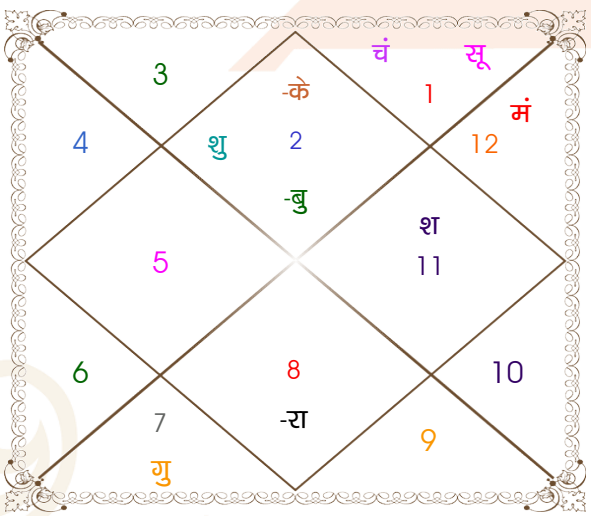

लग्न-चलित

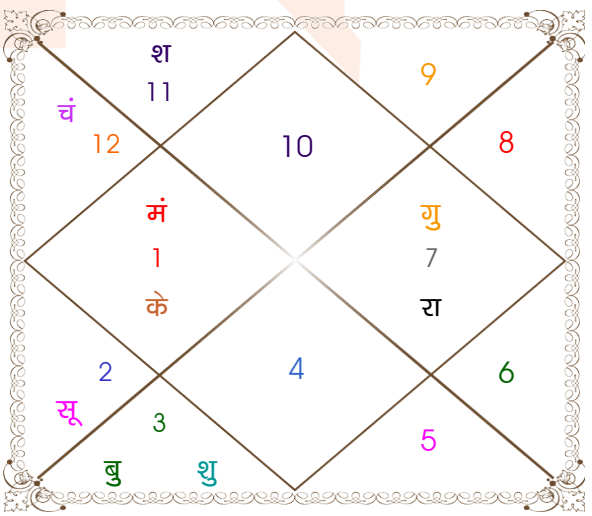

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Rajat का वर्ग सिंह है तथा Chanchal का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rajat और Chanchal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rajat मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Chanchal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Chanchal कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Chanchal कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Rajat कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rajat तथा Chanchal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com